647510 **BA4HinFO1010** **Seat No: ___________**

B.A. Semester - 4 (CBCS) Examination

March/April- 2018

FOUNDATION : HINDI DHANUSHBHANG EVAM VYAKRAN (FOUNDATION)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न–१ 'धनुष–भंग' की कथावस्तु संक्षेप में लिखकर उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (१४)

अथवा

प्रश्न–१ 'धनुष–भंग' के काव्य–स्वरूप की चर्चा कीजिए ।

प्रश्न–२ 'धनुष–भंग' के आधार पर निमि का चरित्र चित्रळ कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न–२ भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'धनुष–भंग' की आलोचना कीजिए ।

प्रश्न–३ 'धनुष–भंग' में आधुनिक युग की किन–किन समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है ? (१४)

अथवा

प्रश्न–३ 'धनुष–भंग' में वर्णित सीता के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न–४ 'धनुष–भंग' की मौलिकता और आधुनिकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न–४ 'धनुष–भंग' के प्रतीक विद्यान पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

प्रश्न–५ (अ) प्रेसनोट तैयार कीजिए : (०७)

गुजरात सरकार द्वारा होली पर्व के लिए विशेष शक्कर वितरण ।

अथवा

भारत और जापान के बीच व्यापारिक सम्बन्ध ।

(ब) गुजराती में अनुवाद कीजिए : (०७)

जो विद्याभ्यासी पढता है और पुस्तकों से मैत्री स्थापित करता है, उसकी स्थिति सामाजिक दृष्टि से चाहे कितनी ही दीन–दीन हो, परंतु उसे संगी–साथी का अभाव नहीं खहकता । उसकी छोटीसी कुटिया में विश्व वंध विभुतियों का निवास होता है । उसे महान कवियों, लेखकों एंव तत्वचिन्तकों की सहानुभूति प्राप्त होती है और उसकी समस्यार्ए आसानी से हल हो जाती है ।

अथवा

नागरिकता क्या है ? यह कुछ एसे निर्धारित – नियमो का समुह है, जिसे अधिकांश लोग मानते है और इससे चिपके रहना चाहते है । यह घरेलू रीतिरिवाज की एक संस्था है, जो सैंकडो बरसो के अनुभव की थाती लिये हुए है । मनुष्य खुद ही नियम बनाता है और उन्हें मान्यता प्रदान करता है, परंतु जब वह अपने ही नियमों को तोडता हैं, रितिरिवाजो की उपेक्षा करता है, तब नागरिकता कें भवन की नींव डगमगा उठती है ।

****